खेती की बात : प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण सह कृषक कार्याशाला का आयोजन

बाजार में हार्मलेस हार्वेस्ट की श्रेणी में सूचित करें खड़ीन के उत्पाद: प्रभात कुमार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जैसलमेर. कृषि विज्ञान केन्द की ओर से दबलापार गांव रामगढ़ में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण सह कृषक कार्याशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अरुण कुमार, कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खड़ीन क्षेत्रों के प्रंस्करण उत्पादा को जैविक उत्पाद की जगह प्राकृतिक उत्पाद में नामित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खड़ीन में उत्पादित होने वाली फसलों की उत्पादन प्रक्रिया को डिजिटल कहानियों के माध्यम से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया की ओर से जन-जन तक पहुंचाया जाए। उद्यानिकी आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि कृषि क्षेत्र के व्यवसायिकरण होने पर अन्य

जैसलमेर. प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण सह कृषक कार्याशाला में उपस्थित अतिथि।

क्षेत्रों के स्वतः विकास होने की संभावना बढ़ जाती हैं, जिससे कृषि का सतत विकास होता हैं। कर्नल प्रतुल थापलियाल, इको टास्क फोर्स सीओ 128 रक्षा मंत्रालय ने जिम्मेदारी संग भागीदारी की भावना रखते हुए कृषि के कार्यो को पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैसे सेना जिम्मेदारी से पेड़ लगाए तो किसान भागीदारी से उनका पालन करें। सीसुब समादेष्टा वीपीसिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र एवं खड़ीन के किसानों के सयुक्त प्रयासों से तैयार नवाचार प्रसंस्कृत उत्पाद खडीन नॉन खटाई का सर्टीफिकेशन करवाने के दिशा में काम करने पर जोर दिया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने प्राकृतिक खेती पद्धति में फसलों की उन्नत किस्मों का समावेश करने एवं रोग एवं कीटों की रोकथाम के लिए जैविक उत्पादों का उपयोग करने पर बल दिया। डॉ. सुभाषचंद्र, निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने खड़ीन क्षेत्र के उत्पाद खड़ीन नान खटाई की अनूठी विशेषता के कारण इसे राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलवाने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता बताई। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने वर्षो से खड़ीन में होने वाली फसलों के उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण तक ले जाने की दिशा में केन्द्र की ओर से किए गए कार्यो की विस्तृत जानकारी दी। प्रगतिशील किसान चतरसिंह ने किसानों को सक्रिय भागदारी निभाने को कहा। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. चारू शर्मा, डॉ. बबलू शर्मा, अतुल गालव एवं गौरवसिंह ने भी कृषि से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 03-06-2024

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण व सह कृषक कार्यशाला का आयोजन,किसानों को जैविक खेती की दी सलाह

खड़ीन में उत्पादित होने वाली फसलों की उत्पादन प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाएं: प्रभात कुमार

कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से करवाए गए कार्यों की दी जानकारी

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर के तत्वावधान में दबलापार गांव रामगढ़ में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण व सह कृषक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खड़ीन क्षेत्रों के प्रसंस्करण उत्पाद को जैविक उत्पाद की जगह प्राकृतिक उत्पाद में नामित किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि खड़ीन में उत्पादित होने वाली फसलों की उत्पादन प्रक्रिया को डिजिटल कहानियों के माध्यम से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया द्वारा जन जन तक पहुंचाया जाएं।

इस दौरान उद्यानिकी आयुक्त भारत सरकार डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि कृषि क्षेत्र के व्यवसायी करण होने पर अन्य क्षेत्रों के स्वतः विकास होने की संभावना बढ़ जाती है। जिससे कृषि का सतत विकास होता है। उन्होंने खड़ीन से पैदा होने वाले उत्पाद को बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचाएं उत्पादित होने वाला उत्पादन की श्रेणी में बताया और यही इसका अद्वितीय विक्रय बिन्दु हैं। जो इसको बाजार में अन्य उत्पादों से अलग स्थापित करेगा।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने वर्षों से खडीन में होने वाली फसलों के उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण तक ले जाने की दिशा में केंद्र द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान चतरसिंह ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र एवं स्वाकेराकृविवि बीकानेर के सतत प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. चारु शर्मा, डॉ. बबलू शर्मा, अतुल गालव व गौरवसिंह ने भी कृषि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने संक्षिप्त विचार व्यक्त किए।

जैसलमेर. कार्यशाला के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक व अतिथि।

इको टास्क फोर्स ने पौधरोपण की दी जानकारी

इस अवसर पर इको टास्क फोर्स सीओ 128 रक्षा मंत्रालय कर्नल प्रतुल थापलियाल ने जिम्मेदारी संग भागीदारी की भावना रखते हुए कृषि के कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैसे सेना जिम्मेदारी से पेड़ लगाए तो किसान भागीदारी से उनका पालन करें। उन्होंने मोहनगढ़ क्षेत्र में इको टास्क फोर्स द्वारा पौधरोपण के क्षेत्र में कार्य के बारे में किसानों को अवगत कराया। कमांडेंट बीएसएफ वीपी सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र एवं खडीन के किसानों के संयुक्त प्रयासों से तैयार नवाचार प्रसंस्कृत उत्पाद खडीन नॉन खटाई का सर्टीफिकेशन करवाने के दिशा में काम करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रसंस्करण उत्पाद की सुरक्षित उपयोग समयावधि का अध्ययन करने की आवश्यकता बताई।

जैविक उत्पादों का ही उपयोग किया जाए

निदेशक अनुसंधान निदेशालय स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. पीएस शेखावत ने प्राकृतिक खेती पद्धति में फसलों की उन्नत किस्मों का समावेश करने एवं रोग एवं कीटों की रोकथाम के लिए जैविक उत्पादों का उपयोग करने पर विशेष बल दिया। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. सुभाष चंद्र ने खडीन क्षेत्र के उत्पाद खडीन नॉन खटाई की अनूठी विशेषता के कारण इसे राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलवाने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता बताई।